भजन

पिया के नूर का, जलवा ब्यान क्या होगा
बिना मेहर के,जिक्रे सुभान क्या होगा

1– वहां की कंकरी चौदह तबक उड़ाती है
फर्श पे अर्श का हमसे बखान क्या होगा

2– धनी के। धाम की देखो सिफत निराली है
वहां के थिरचर के,सजदे का मान क्या होगा

3–बका में है ठिकाना आशिकों का,आपकेकदम
फना में भूल कर रूह का ईमान क्या होगा

4– निसवत से हमने ही पाया है,फना में इलम
निसवत की खातिर ही, लैल में खुद आये खसम

5–अपनी निसवत को पहचानो तो कुछ बात भी है
निसवत और इश्क इलम ये हक की जात भी है